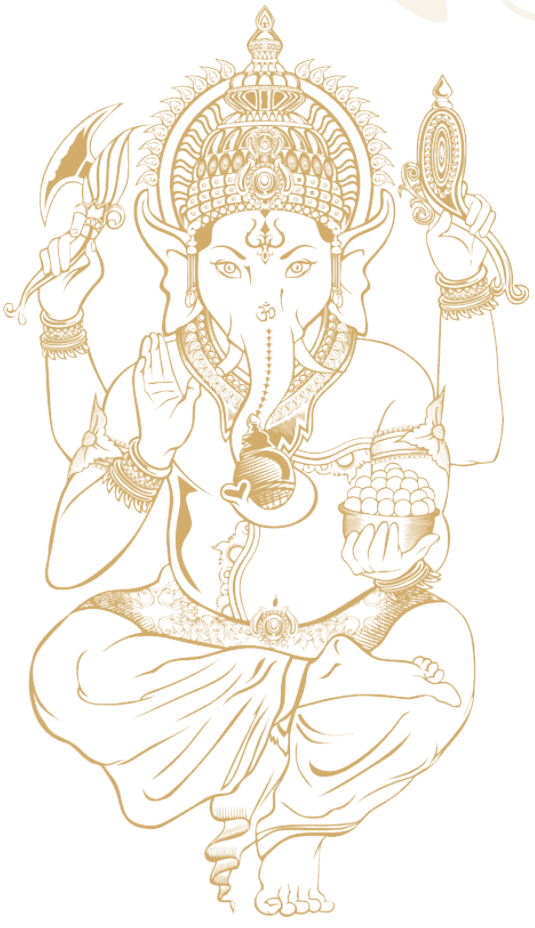

Mr.Sachin

Ms. Jagruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120160209

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/10/1995	जन्म तिथि	01/10/1999
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:30:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 15:09:47	जन्म समय(घटी)	35:40:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:05	सूर्योदय	06:13:52
17:45:05	सूर्यास्त	18:07:42
23:48:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 9वर्ष 11मा 27दि		24:15:38	धनु	लग्न	वृष	01:30:55	राहु 17वर्ष 6मा 7दि	
राहु		04:36:05	तुला	सूर्य	कन्या	14:08:14	गुरु	
18/10/2012		10:00:41	कन्या	चंद्र	मिथु	07:01:16	09/04/2017	
19/10/2030		07:12:46	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	25:13:03	09/04/2033	
राहु	01/07/2015	16:37:11	कन्या	बुध	तुला	00:47:42	गुरु	28/05/2019
गुरु	24/11/2017	20:19:27	वृश्चि	गुरु व	मेष	08:54:09	शनि	09/12/2021
शनि	30/09/2020	21:05:35	तुला	शुक्र	सिंह	02:00:33	बुध	15/03/2024
बुध	19/04/2023	24:59:13	कुंभ व	शनि व	मेष	22:25:14	केतु	19/02/2025
केतु	07/05/2024	02:43:28	तुला	राहु व	कर्क	17:26:50	शुक्र	21/10/2027
शुक्र	08/05/2027	02:43:28	मेष	केतु व	मक	17:26:50	सूर्य	09/08/2028
सूर्य	31/03/2028	02:49:52	मक	हर्ष व	मक	19:12:18	चन्द्र	09/12/2029
चन्द्र	30/09/2029	29:03:21	धनु	नेप व	मक	07:46:51	मंगल	14/11/2030
मंगल	19/10/2030	05:28:09	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:24:14	राहु	09/04/2033

लग्न-चलित

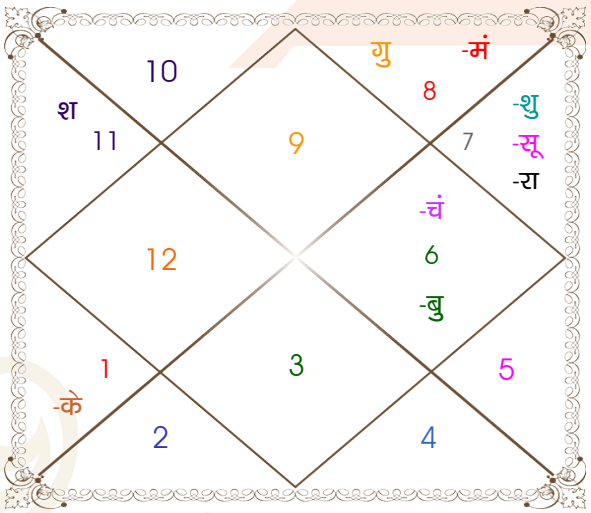

लग्न-चलित

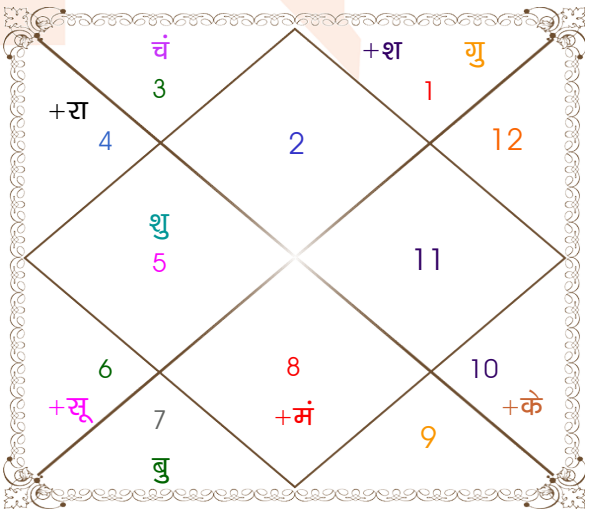

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण श्रंहतनजप का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr.Sachin का वर्ग मूषक है तथा डेण श्रंहतनजप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Sachin और डेण श्रंहतनजप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Sachin मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Sachin कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.Sachin कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.Sachin कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण श्रंहतनजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Sachin कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Sachin तथा डेण श्रंहतनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।